

प्रश्नक,

अमिताभ श्रीवास्तव,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

संस्कृति निदेशालय,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून: दिनांक 26 मार्च, 2007

विषय:- रांगमण्डल, देहरादून हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्राविद्यानित धनराशि के आवंटन विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2075/संनिव/दी-3/2006-07 दिनांक 08 फरवरी, 2007, संख्या-2079/संनिव/दी-3/2006-07 दिनांक 08 फरवरी, 2007, संख्या-2079/संनिव/दी-3/2006-07 दिनांक 08 फरवरी, 2007, संख्या-2215/संनिव/दी-3/2006-07 दिनांक 08 मार्च, 2007 के कम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि रांगमण्डल, देहरादून हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु रुपये 9,50,299.00 (रुपये नौ लाख पचास हजार दो सौ निम्नानुसार एवं शर्तों के अधीन व्यय करने की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुये उत्तराखण्ड शासन में से रुपये 1.80 लाख (रुपये एक लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि कोषानगर से अधिम के रूप में आहरण करने की श्री राज्यपाल महोदय सहित स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- रांगमण्डल, देहरादून के तत्वाधान में 30 दिवसीय लोक नाट्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन हेतु
- 2- रांगमण्डल, देहरादून द्वारा पौराणिक माघ मेला, उत्तरकाशी के वीहिये किम्बोका हेतु व्यय धनराशि
- 3- अन्तराखण्ड सांस्कृतिक आदान-प्रदान योजना के अन्तर्गत उत्तराखण्ड सांस्कृतिक दल का हिमाचल भ्रमण पर होने वाले व्यय हेतु
- 4- रांगमण्डल, उत्तराखण्ड, देहरादून द्वारा विषय रांगमण्डल दिवस के अवसर पर 20 मार्च, 2007 से 27 मार्च, 2007 तक देहरादून में नाट्य समारोह-2007 के आयोजन पर होने वाला व्यय

रांग-रु 7,42,924.00  
रु 9,50,299.00

2-उत्तर स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिये यह स्वीकृत किया जा रहा हो। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिस व्यय करने के लिये बजट में अनुमति या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में वित्तियता निम्न आवश्यक है। व्यय करते समय वित्तियता के सम्बन्ध में समय-समय पर जायी किये गये शासननिर्देशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3-किसी भी मद में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट में अनुमति, मण्डल कय नियम तथा वित्तियता का अनुपालन करते हुये ही किया जायेगा।

4-उत्तर अधिम धनराशि का समायोजन दिनांक 31-03-2007 से पूर्व कर लिया जाए तथा उपयोजिता प्रमाण-पत्र यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जाए।

5-उत्तर व्यय वाला वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति संवर्द्धन-08-रांगमण्डल स्थापना-00-20-सहायक अनुदान/अनुदान/राज सहयोग आयोजनगत पक्ष के मानक मद के नामों डाला जायेगा।

260307012

260307012

उप सचिव  
(अतिरिक्त)

आज्ञा संचालक

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

सचिव

- 7- गाड़ काईल।
- 6- निदेशक, एनओआईसीओ, सचिवालय परिसर।
- 5- विल अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- निजी सचिव, माओ मुख्यामंत्रि जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 1- महालेखाकार, लेखा एवं इकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

पृष्ठांकन संख्या- 170 /VI-1/2007-1(4)/2004, तद्विनांक

अपर सचिव  
(अतिरिक्त श्रीवर्तव)

भवदीय,

यापन उनकी सहमति से जारी किया जा रहे हैं।

6-उक्त धनराशि का आहरण व्यय आवश्यकतानुसार भित्तियता को ध्यान में रख कर किया जाए।  
7-यह आदेश विल विभाग के अशाओ पत्र संख्या-1802/XXVII(3)/2006 दिनांक 22 मार्च, 2007 में